मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
वर्ष : 44 | अंक : 126 | सोमवार 27 जुलाई 2026 | 3 रुपए | पृष्ठ 4
@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A. Mobile.:- 9822045566
epaper.ulhasvikas.com

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

रणबीर कपूर ने रामायण के लिए दो साल तक की तैयारी

बारवी डैम ओवरफ्लो के करीब

74% के पार हुआ बारवी डैम में पानी का लेवल

- ठाणे जिले में पानी की चिंता हुई कम
- रायगड़ में भारी बारिश से उल्हास नदी का जलस्तर भी बढ़ा

बदलापुर. मॉनसून सीजन की शुरुआत में देरी से चिंता का माहौल था, लेकिन जुलाई के दूसरे हाफ में बारिश ने एक बार फिर जोरदार वापसी की है। महाराष्ट्र इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के बारवी डैम प्रशासन की तरफ से दिए गए लेटेस्ट डेटा के मुताबिक, रविवार, 26 जुलाई की सुबह डैम में पानी का स्टोरेज 73.58 परसेंट के लेवल को पार कर गया है। सिर्फ एक हफ्ते में डैम के वॉटर स्टोरेज में लगभग 20 परसेंट की भारी बढ़ोतरी से ठाणे जिले में पानी की कमी का खतरा अब काफी हद तक दूर हो गया है। वहीं, रायगढ़ जिले में लगातार फ्लो के कारण उल्हास नदी का वॉटर लेवल भी बढ़ गया है।

इस साल लंबे समय तक हुई बारिश और डैम के नीचे तक पहुंचने को देखते हुए, बारवी डैम को भरने का सफर बहुत धीमा और उतार-चढ़ाव भरा रहा है। जून का पूरा महीना सूखा रहने के बाद, जुलाई के पहले हफ़्ते में डैम में पानी का लेवल बढ़कर 44 परसेंट हो गया था, 8 जुलाई को 247.80 mm बारिश रिकॉर्ड की गई थी। हालांकि, उसके बाद बारिश में लंबा ब्रेक लग गया। 10 से 15 जुलाई के बीच बारिश न के बराबर होने की वजह से डैम 50 परसेंट के आस-पास ही था। 16 जुलाई को डैम किसी तरह 50 परसेंट तक पहुंचा। 19 जुलाई को फिर से बारिश हुई, जिससे स्टोरेज 54.23 परसेंट हो गया। हालांकि, उसके बाद, पिछले सात दिनों में डैम एरिया में बारिश सचमुच तेज़ी से बढ़ी है, जिससे स्टोरेज में 19.35 परसेंट की बड़ी बढ़ोतरी हुई और 26 जुलाई, रविवार सुबह यह 73.58 परसेंट तक पहुंच गया।

बारवी बांध अपडेट

26/07/2026 सुबह 7 .00 बजे
जल स्तर (मीटर में) : 69 .30 मीटर
ओवरफ्लो स्तर : 72 .60 मीटर
लाइव स्टोरेज : 249 .32 mcm
पानी का प्रतिशत : 73 .58
दिन की औसत बारिश : 43 .00 मिमी
कुल औसत बारिश : 1778 .20 मिमी

उल्हास नदी के वॉटर लेवल में बढ़ोतरी

एक तरफ जहां बारवी डैम एरिया में बारिश जारी है, वहीं दूसरी तरफ उल्हास नदी के सोर्स एरिया में भी लगातार बारिश हो रही है। रायगढ़ जिले और कर्जत-नेरल बेल्ट में हो रही बारिश की वजह से उल्हास नदी का वॉटर लेवल एक बार फिर बढ़ गया है। बदलापुर में उल्हास नदी का वॉटर लेवल रविवार (26 जुलाई) सुबह 8 बजे रिकॉर्ड किया गया। नदी अभी सेफ लेवल पर बह रही है क्योंकि नदी का वॉर्निंग लेवल 16 .50 मीटर है, लेकिन एडमिनिस्ट्रेशन ने अनुमान लगाया है कि अगर रायगढ़ में भारी बारिश जारी रही तो यह लेवल और बढ़ सकता है।

MIDC प्रशासन के दिए गए डेटा के मुताबिक, डैम एरिया में 24 घंटे में 43 mm बारिश हुई है, और इस सीज़न की कुल बारिश 1778.20 मिलीमीटर हो गई है। डैम का वॉटर लेवल अभी 69.30 मीटर है और डैम में अभी 249.32 मिलियन क्यूबिक मीटर इस्तेमाल करने लायक पानी (73.58 परसेंट) है।

हालांकि डैम का वॉटर लेवल तेज़ी से बढ़ रहा है, लेकिन आंकड़े बताते हैं कि डैम पिछले साल के मुकाबले अभी भी पीछे है। पिछले साल इसी दिन (26 जुलाई, 2025) डैम का लेवल 70.90 मीटर पर था और डैम में 85.25 परसेंट (288.86 मिलियन क्यूबिक मीटर) पानी था। साथ ही, कुल बारिश का रिकॉर्ड 1850.00 mm था। यानी, पिछले साल के मुकाबले इस साल डैम अभी भी करीब 12 परसेंट और 71.80 mm बारिश पीछे है।

उल्हासनगर मिडटाउन हॉल खस्ता हालत में

- उल्हासनगर 1 गोल मैदान में स्थित है मिडटाउन हॉल
- हॉल में लीकेज, बिजली व पंखे की सुविधा नहीं
- प्रशासन समस्या हल करे

उल्हासनगर. कैंप-2 में रोटरी मिडटाउन हॉल की खराब हालत सामने आई है, और भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी मनोज शेलार ने हॉल का इंस्पेक्शन किया और संबंधित स्थिति पर कड़ी नाराजगी जताई। इंस्पेक्शन के दौरान उन्होंने देखा कि पूरे हॉल में लीकेज था, और हॉल में बिजली या पंखे की सुविधा नहीं थी।

इस मामले में, मनोज शेलार ने मनपा के प्रॉपर्टी डिपार्टमेंट की हेड छाया डांगले से फोन पर संपर्क किया और जवाब मांगा। इस पर डांगले ने दावा किया कि जिस हॉल की बात हो रही है, उसकी हाल ही में मरम्मत हुई थी और पिछले महीने ही मरम्मत का काम पूरा हो गया था।

शेलार ने कहा कि असल इंस्पेक्शन में हॉल की बहुत खराब हालत सामने आई, जिससे मरम्मत के काम पर सवाल उठते हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि प्रॉपर्टी डिपार्टमेंट के कुछ अधिकारी जानबूझकर मनपा के हॉल को खराब हालत में रखते हैं ताकि लोग प्राइवेट हॉल का इस्तेमाल करें।

इसके साथ ही मनोज शेलार ने मनपा के प्रॉपर्टी डिपार्टमेंट के अधिकारियों और प्राइवेट हॉल ऑपरेटरों के बीच मिलीभगत के गंभीर आरोप भी लगाए हैं और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

राकांपा द्वारा 'मेनोपॉज जागरूकता व्याख्यान'

उल्हासनगर। उल्हासनगर राकांपा जिला की ओर से महाराष्ट्र प्रदेश सरचिटणीस सोनिया धामी के मार्गदर्शन पूर्व उपमुख्यमंत्री स्व. अजितदादा पवार की जयंती के अवसर पर 40 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं के लिए 'मेनोपॉज जागरूकता व्याख्यान' कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ. सुषमा तोमर ने मेनोपॉज विषय पर विस्तृत मार्गदर्शन देते हुए महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण पहलुओं पर जानकारी दी। उन्होंने मेनोपॉज से जुड़े भ्रमों को दूर करते हुए उचित आहार, नियमित व्यायाम, मानसिक स्वास्थ्य तथा सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी महिलाओं ने पूरे उत्साह के साथ सहभागिता की तथा व्याख्यान को अत्यंत सराहा। यह आयोजन महिलाओं में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने और समाज में सकारात्मक संदेश देने वाला एक महत्वपूर्ण प्रयास साबित हुआ। कार्यक्रम को सफल बनाने में उपस्थित महिला बहनों, पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं सहयोग करने वाले सभी साथियों का आभार प्रकट श्रीमती सोनिया धामी ने किया।

उल्हासनगर को बदरंग कर रहे बैनर-पोस्टर

उल्हासनगर. उल्हासनगर में लगे गैर-कानूनी पोस्टर और बैनर शहर की तस्वीर बिगाड़ रहे हैं और लोगों की सुरक्षा के लिए खतरा बन रहे हैं। शहर के मेन चौक, सड़कें और रेलवे स्टेशन एरिया अनधिकृत बैनरों से भर गए हैं। छह महीने में सिर्फ़ 125 बैनरों पर कार्रवाई हुई है। 1,000 लोगों पर केस दर्ज किए गए हैं। उल्हासनगर में कैंप नंबर 3, 17 सेक्शन एरिया, म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन, हीराघाट, श्रीराम चौक, उल्हासनगर, विट्ठलवाड़ी और शहाड रेलवे स्टेशन एरिया, छत्रपति शिवाजी महाराज चौक, नेताजी चौक, लालचक्की, खेमानी चौक, फॉरवर्ड लाइन चौक, कैलास कॉलोनी चौक समेत मेन चौकों पर बड़ी संख्या में नेताओं, जन्मदिनों और विज्ञापनों के अनधिकृत बैनर लगाए गए हैं। इससे न सिर्फ़ शहर की सुंदरता खतरे में पड़ी है, बल्कि ड्राइवरों का ध्यान भी भटका है और एक्सीडेंट का चांस भी बढ़ गया है।

मनपा को बिना इजाज़त लगाए जा रहे इन होर्डिंग्स और मेहराबों के खिलाफ़ सख़्त कदम उठाने की ज़रूरत है, लेकिन असल में कार्रवाई धीरे-धीरे हो रही है। पिछले महीने अब तक एक कार्रवाई हुई है। खेमानी में एक घटना हुई जहाँ एक स्थानीय नेता के जन्मदिन के मौके पर बैनर लगाते समय करंट लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गई थी.

कचरा अलग करने में लापरवाही बरतने वाली सोसायटी पर 12 हजार का दंड

कल्याण. कल्याण-डोंबिवली मनपा घनकचरा विभाग के सफ़ाई अधिकारियों ने कल्याण पश्चिम के घोलपनगर इलाके में कॉर्नर स्टोन सोसाइटी (2-B) पर लगातार चार दिनों तक 3,000 रुपये की कार्रवाई करने के बाद 12,000 रुपये का जुर्माना लगाया। मनपा इलाके की कुछ सोसायटी अभी भी गीला और सूखा कचरा अलग करके देने में आनाकानी कर रही हैं। कल्याण वेस्ट के घोलपनगर इलाके में कॉर्नर स्टोन (2B) सोसाइटी के लोग अपना गीला और सूखा कचरा अलग नहीं कर रहे थे, इसलिए सैनिटेशन इंस्पेक्टर संदीप भालेराव ने 11 जुलाई से 14 जुलाई, 2026 तक इस सोसाइटी से निकलने वाले कचरे पर नज़र रखी। सैनिटेशन इंस्पेक्टर भालेराव ने इस सोसाइटी पर हर दिन तीन हज़ार रुपये का जुर्माना लगाया। इस तरह, चार दिनों में इस सोसाइटी से 12 हज़ार रुपये का जुर्माना वसूला गया।

2011 से पूर्व शासकीय जमीनों पर बने घरों को नियमित किया जाएगा - विधायक किणीकर

अंबरनाथ. अंबरनाथ में एक जनवरी 2011 से पूर्व शासकीय भूमि पर बने आवासीय अतिक्रमणों को नियमित करने के लिए विधायक डॉ. बालाजी किणीकर के प्रयास रंग लाए हैं. महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे एवं सांसद श्रीकांत शिंदे के मार्गदर्शन में एक बैठक का आयोजन हुआ. उप विभागीय कार्यालय में आयोजित बैठक की अध्यक्षता डॉ. बालाजी किणीकर ने की. इस बैठक में अंबरनाथ विधानसभा क्षेत्र में 2011 से पहले के अतिक्रमणों को किस तरह से नियमित किया जाए, उस पर चर्चा हुई. किणीकर ने सभी नगरसेवकों से कहा है कि वह अपने-अपने प्रभाग में इस कार्य को शुरू करें, जिसके लिए अंबरनाथ नपा के मुख्याधिकारी फार्म देंगे. पात्र घरों को फार्म भरने के बाद जरूरी कागजात लेकर इस प्रक्रिया को पूरा किया जा सकता है. किणीकर ने बताया कि महाराष्ट्र शासन ने 25 मार्च 2026 को ऐसी जीआर निकाला है. उन्होंने शहर के सभी नगरसेवकों से कहा है कि वह सर्वे का कार्य शुरू करें. ये सर्वे फ्री में होगा. फार्म के साथ जरूरी कागजात जैसे आधार कार्ड, राशन कार्ड, टैक्स पावती जोड़ कर मुख्याधिकारी को देना होगा. फिर एक समिति के सामने उसे रखा जाएगा और कम से कम रकम लेकर 2011 से पहले के शासन की जमीन पर बने घरों को नियमित करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी. इस बैठक में उप नगराध्यक्ष सदाशिव पाटिल, सुभाष सालुंखे, रविंद्र करंजुले, संदीप लकड़े, शैलेश शिर्के आदि उपस्थित थे.

सोशल मीडिया पर दोस्ती पड़ी महंगी; डॉक्टर के साथ फ्रॉड

उल्हासनगर. एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है जिसमें लंदन के एक कार्डियोलॉजिस्ट ने सोशल मीडिया पर अपनी पहचान बढ़ाकर भरोसा जीता और दिल्ली एयरपोर्ट पर फॉरेन करेंसी के साथ गिरफ्तार होने का ड्रामा करके उल्हासनगर की एक महिला डॉक्टर से 1.84 लाख रुपये ठग लिए। इस साइबर फ्रॉड ने एक बार फिर दिखा दिया है कि सोशल मीडिया पर किसी अनजान की दोस्ती कितनी महंगी पड़ सकती है।

आरोपी ने डॉ. सोनाली गलाटे को स्नैपचैट पर रिक्वेस्ट भेजकर भरोसा जीता। इसके बाद उसने उनसे कहा कि वह लंदन से 25 हजार पाउंड लेकर इंडिया आ रहा है।

बाद में, दिल्ली एयरपोर्ट पर फॉरेन करेंसी के साथ गिरफ्तार होने का ड्रामा करके दिव्या परमल ने अलग-अलग फीस देने के बहाने फोन पर उनसे अलग-अलग बैंक अकाउंट में पैसे जमा करवाए। आखिर में शक होने पर शिकायत करने वालों ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई और पुलिस साइबर फ्रॉड में शामिल गैंग की तलाश कर रही है। इस मामले में डॉ. मंचर, दिव्या परमाल और तीन अन्य अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

कल्याण में पासपोर्ट ऑफिस खोलने की सरकार से मांग

कल्याण. कल्याण शहर और ठाणे जिले के आस-पास के शाहपुर, मुरबाड, भिवंडी, अंबरनाथ, उल्हासनगर तालुका की बढ़ती आबादी को देखते हुए, कल्याण शहर में सेंट्रल लोकेशन के तौर पर एक रीजनल पासपोर्ट ऑफिस खोला जाना चाहिए, मुरबाड विधानसभा क्षेत्र के BJP MLA किसन कथोरे ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मांग की है। ठाणे, मुंबई रीजनल पासपोर्ट ऑफिस के अधिकार क्षेत्र से ठाणे, रायगढ़ और पालघर समेत कई जिलों के लोगों को सर्विस मिलती है। बढ़ती आबादी और पासपोर्ट की बढ़ती मांग को देखते हुए, MLA कथोरे ने लेटर में कहा है कि कल्याण में एक रीजनल पासपोर्ट ऑफिस खोलना समय की मांग है। दो से तीन जिलों का बोझ मुंबई, ठाणे के एक से दो ऑफिस पर पड़ रहा है। इसलिए, MLA कथोरे ने मांग की है कि कल्याण से कर्जत, कसारा इलाकों के लोगों को ध्यान में रखते हुए कल्याण में तुरंत एक रीजनल पासपोर्ट ऑफिस खोलने की पहल की जाए।

अगर कल्याण में एक रीजनल पासपोर्ट ऑफिस खुलता है, तो कल्याण-डोंबिवली, भिवंडी, अंबरनाथ, बदलापुर, मुरबाद, शहापुर, नेरल, कसारा और कर्जत इलाकों के लोगों को बहुत सुविधा होगी। इन सभी शहरों और तालुकाओं की कुल आबादी 40 से 45 लाख से ज़्यादा है। इंडस्ट्रियलाइज़ेशन, शहरीकरण और पढ़ाई के बढ़ते मौकों की वजह से, पढ़ाई, नौकरी, बिज़नेस, टूरिज़्म और इलाज के लिए विदेश जाने के लिए पासपोर्ट की डिमांड लगातार बढ़ रही है। इन इलाकों के लोगों को पासपोर्ट से जुड़े अलग-अलग कामों के लिए ठाणे या मुंबई जाना पड़ता है। इससे आने-जाने का खर्च, समय और काम के दिन बर्बाद होते हैं। MLA कथोरे ने कहा कि सीनियर सिटिज़न, महिलाओं, स्टूडेंट्स, दिव्यांगों, कर्मचारियों के साथ-साथ ग्रामीण इलाकों के लोगों को भी बहुत मुश्किलों का सामना करना पड़ता है।

मेलोडी खाओ, सरकार भगाओ

शिक्षा मंत्री के इस्तीफे के बाद शिवसेना (उबाठा) ने मेलोडी बांटकर जश्न मनाया

अंबरनाथ. केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र चव्हाण द्वारा इस्तीफा देने के बाद अंबरनाथ शिवसेना (उबाठा) के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने मेलोडी चाकलेट वितरित करके एवं आतिशबाजी करते हुए मेलोडी खाओ और सरकार भगाओ के नारे लगाए. शिवसेना उबाठा के कार्यकर्ताओं ने जंतर मंतर नई दिल्ली में जारी युवकों एवं विद्यार्थियों के आंदोलन को समर्थन देते हुए गत सात दिनों से शहर पूर्व में शिवाजी चौक पर अनशन पर बैठे हुए थे. इस अनशन को राकांपा (शप), मनसे, एडवोकेट फार जस्टिस और अंबरनाथ डॉक्टर संघटना ने इस आंदोलन को समर्थन दिया था. ऐसी जानकारी हमें शिवसेना शहर पश्चिम अध्यक्ष एड. संदीप पगारे ने दी है.

शिक्षा मंत्री के इस्तीफे के बाद खुशियां मना कर कहा गया कि ये विजय देस के विद्यार्थियों व युवकों की विजय है. सरकार को उसकी जगह दिखाने का काम युवाओं ने किया है. ये भी कहा गया कि युवाओं की ये लड़ाई तो अब शुरू हुई है. खत्म नहीं हुई है. मनसे के शैलेश शिर्के ने कहा कि अब युवाओं ने स्मार्ट मीटर के मुद्दे को हाथ में ले, जिससे देशवासी परेशान हैं. एड. संदीप पगारे के साथ रमेश डोंगरे, जानू मानकर, कुणार अहिरे, संतोष शिंदे, अंजली राउत, निशिकांत राउत, धांडे, मोरे, आदि ने आंदोलन में भाग लिया. पगारे ने कहा कि आज हम सबके लिए आनंद का दिन है. सोनम वांगचुक, काक्रोच जनता पार्टी के अभिजीत दीपके और उनके सभी साथियों ने सरकार को उनकी जगह दिखा दिया है.

हादसों का अड्डा बने हाजीमलंग के झरने

- पर्यटक बंदी आदेश को कर रहे नज़रअंदाज़
- रील के चक्कर में लोगों की जान खतरे में

कल्याण. सोशल मीडिया पर रील और वीडियो के लालच में हाजीमलंग इलाके में खतरनाक नदी के किनारों और झरनों की तरफ भागने वाले पर्यटकों की जान से खिलवाड़ जारी है। पिछले दिनों में 2 टूरिस्ट के गंभीर रूप से घायल होने के बाद सुरक्षा का मुद्दा एक बार फिर सामने आया है। देखा जा रहा है कि ठाणे जिलाधिकारी के बैन ऑर्डर लगाने के बावजूद कई टूरिस्ट इसे नज़रअंदाज़ कर रहे हैं।

कल्याण के वालधुनी इलाके के संदेश निकम अचानक पानी का लेवल बढ़ने के कारण नदी में डूब गए थे। स्थानीय लोगों ने सावधानी बरतते हुए उन्हें बाहर निकाला। उसके बाद, उन्हें एक प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया और इंटेंसिव केयर यूनिट में उनका इलाज चल रहा है।

ऐसे ही कल्याण के टाटा पावर इलाके के यश यादव अपने युवा दोस्तों के साथ हाजीमलंग झरने घूमने आए थे। झरने के पास एन्जॉय करते समय उनका पैर फिसल गया और वे गंभीर रूप से घायल हो गए। उनका इलाज नेवाली के एक प्राइवेट हॉस्पिटल के इंटेंसिव केयर यूनिट में चल रहा है।

मॉनसून का मौसम शुरू होते ही हज़ारों टूरिस्ट नेचर का मज़ा लेने के लिए हाजीमलंग इलाके में आते हैं। लेकिन, नदी और झरने वाले इलाकों में शराब पीने, खतरनाक सेल्फी लेने, बहते पानी में कूदने और लोकल लोगों की चेतावनियों को नज़रअंदाज़ करने की वजह से एक्सीडेंट की संख्या लगातार बढ़ रही है। पिछले कुछ दिनों में इस इलाके में दो टूरिस्ट की मौत हो गई है और दो गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। इस वजह से यह इलाका एक बार फिर चिंता का विषय बन गया है।

प्रशासन द्वारा बैन के आदेश का सख्ती से पालन करने के साथ-साथ टूरिस्ट को अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा को प्राथमिकता देना ज़रूरी है। पहाड़ी इलाकों में होने वाली भारी बारिश का असर नहीं दिख रहा है। नदी में पानी का बहाव कुछ ही पलों में बढ़ जा रहा है। इस वजह से नदी के किनारे शराब पीने के लिए उतरने वाले टूरिस्ट अपनी जान गंवा रहे हैं। इस वजह से ज़िला प्रशासन से पाबंदियों को और सख़्त करने की मांग की जा रही है। डर है कि दूसरी जगहों पर मॉनसून का मज़ा किरकिरा न हो जाए।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं। - वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

अमेरिका के नए टैरिफ का असर

अमेरिका ने भारत समेत विभिन्न देशों पर शुल्क नीति के जरिए दबाव बनाने की कोशिशें फिर तेज कर दी हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में एलान किया है कि अमेरिका आयातित जेनेरिक दवाओं पर अगस्त, 2028 से शुल्क लगाएगा, जो पहले वर्ष 100 फीसद और उसके बाद 200 फीसद हो जाएगा। यही नहीं, बीते गुरुवार को ट्रंप ने भारत सहित 16 अन्य देशों से आयातित वस्तुओं पर 10 फीसद अतिरिक्त शुल्क की भी घोषणा की है।

हालांकि, अमेरिका की ओर से इस पर कई तरह के तर्क दिए जा रहे हैं, लेकिन इन कदमों को पूर्व में अदालत से खारिज हुए भारी-भरकम शुल्क लगाने के फैसले को नए रूप में लागू करने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। अमेरिका के इस निर्णय का निश्चित रूप से भारत के दवा निर्यात पर असर पड़ेगा, क्योंकि वह अमेरिका को जेनेरिक दवाओं का सबसे बड़ा निर्यातक है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि भारत आने वाले दिनों में इस चुनौती से कैसे निपटेगा?

गौरतलब है कि अमेरिका की ओर से पिछले साल भारत पर 50 फीसद शुल्क लगाए जाने से देश के निर्यात कारोबार पर काफी असर पड़ा था। हालांकि, बाद में अमेरिका की शीर्ष अदालत ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस फैसले को रद्द कर दिया था। अब अमेरिका ने जेनेरिक दवाओं के आयात पर भारी-भरकम शुल्क लगाने का फैसला किया है। जानकारों का मानना है कि ट्रंप रणनीतिक रूप से अपनी शुल्क नीति को जिंदा रखना चाहते हैं।

भारत की बात की जाए, तो उसे 'दुनिया का दवाखाना' भी कहा जाता है, क्योंकि वह अनेक देशों को जेनेरिक दवाओं की आपूर्ति करता है। वर्ष 2025 में भारत ने अमेरिका को 9.7 अरब डॉलर की दवाओं का निर्यात किया। यह उसके कुल वैश्विक औषधि निर्यात 25.8 अरब डॉलर का करीब 38 फीसद है।

इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि अमेरिका के इस कदम का भारत के निर्यात पर कितना असर पड़ सकता है। ऐसे में भारत को वैकल्पिक उपाय के तौर पर निर्यात में अमेरिका पर निर्भरता कम करनी होगी। साथ ही यूरोप, लैटिन अमेरिका, अफ्रीका और एशियाई देशों में दवा निर्यात बढ़ाने की संभावनाएं तलाशने पर ध्यान केंद्रित करना होगा।

विमर्श

संस्थागत बीमारी है पेपर लीक

संसद का मानसून सत्र शुरू होने के कुछ हफ्ते पहले नीट पेपर लीक मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग के साथ दिल्ली के जंतर-मंतर पर धरने पर बैठे समूह कॉकरोच जनता पार्टी यानी सीजेपी को कुछ अहमियत तब मिली, जब लद्दाख के सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने अनशन प्रारंभ किया।

18 जुलाई को जब दिल्ली पुलिस ने सोनम वांगचुक को अस्पताल ले जाकर भर्ती किया तो जंतर-मंतर पर भीड़ कुछ बढ़नी शुरू हुई। 20 जुलाई को संसद शुरू होने के दिन सीजेपी के संसद मार्च के पहले जंतर-मंतर पर अच्छी-खासी भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने जब भीड़ को संसद की ओर जाने से रोका तो कुछ शरारती तत्वों ने उस पर पथराव करना और बैरिकेडिंग लांघना शुरू कर दिया।

सीजेपी के संसद मार्च में हिंसा के बाद राजनीतिक दलों को सरकार के खिलाफ एक मुद्दा मिल गया और वे उसे भुनाने के लिए एक-दूसरे से होड़ में लग गए। कांग्रेस ने जब यह देखा कि सीजेपी को महत्ता मिल रही है तो राहुल गांधी अचानक प्रधानमंत्री आवास के निकट धरना देने पहुंच गए। आम आदमी पार्टी को यह रास नहीं आया और उसने आपत्ति जताते हुए भाजपा-कांग्रेस में मिलीभगत का आरोप लगा दिया। साफ है कि विपक्ष का रवैया छात्र हित के बहाने अपनी राजनीति चमकाने वाला अधिक रहा।

अनशन तोड़ चुके सोनम वांगचुक को खारिज कर रही कांग्रेस इससे चिंतित दिखी कि कहीं सीजेपी को समर्थन देना उसके लिए राजनीतिक रूप से हानिकारक न हो जाए। कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दलों की चिंता का एक कारण यह भी रहा कि नीट पेपर लीक मामले में उसके विरोध से अधिक महत्ता एक नए बने संगठन को मिल गई। यह उनकी चिंता का कारण बनना भी चाहिए, क्योंकि यह स्थिति जनता में उनके प्रति भरोसे की कमी को दिखाती है। विपक्षी दल धर्मेंद्र प्रधान के त्यागपत्र की घोषणा को अपनी जीत बता सकते हैं, लेकिन यह सीजेपी के बैनर तले आए छात्रों के दबाव का नतीजा अधिक है। शिक्षा मंत्री के त्यागपत्र के पहले प्रधानमंत्री ने पेपर लीक के दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट गठित करने के साथ ही सार्वजनिक परीक्षा अधिनियम को और कठोर बनाने का फैसला किया।

सरकार नीट पेपर लीक के बाद आत्महत्या करने वाले छात्रों के स्वजनों को मुआवजा देने समेत संसद मार्च में हिंसा के आरोपितों के खिलाफ कोई कार्रवाई न करने की सीजेपी की मांग पर भी सहमत हो गई। इसके बाद सीजेपी प्रदर्शन खत्म करने को तैयार हो गई, लेकिन यदि यह समझा जा रहा है कि शिक्षा मंत्री के त्यागपत्र से परीक्षा के मोर्चे पर सब कुछ ठीक हो जाएगा तो यह सही नहीं, क्योंकि पेपर लीक एक संस्थागत बीमारी है। यह बीमारी केवल प्रतियोगी परीक्षाओं तक सीमित नहीं। अब तो शिक्षक ही पेपर लीक कराने में शामिल पाए जा रहे हैं। सब जानते हैं कि स्कूली परीक्षाओं में भी नकल होती है और इन परीक्षाओं के भी पेपर लीक किए और कराए जाते हैं।

नकल एक सामाजिक बुराई बन गई है। आज जो छात्र पेपर लीक मसले पर उग्र हैं, उनमें से अनेक यह जानते होंगे कि उनके कई साथी नकल करके पास होते रहे हैं। क्या सीजेपी यह मांग करेगी कि सार्वजनिक परीक्षा अधिनियम के दायरे में परीक्षाओं में नकल करने और कराने वाले भी लिए जाएं या फिर इसके लिए कोई नया कानून बनाया जाए?

सीजेपी के सदस्य और उनके समर्थक इससे अनजान नहीं हो सकते कि नकल कर पास होने की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है? जो छात्र शुरू से धोखाधड़ी का सहारा लेकर पास होने का आदी रहा हो, वह प्रतियोगी परीक्षाओं में भी छल-कपट के सहारे पास होने की कोशिश करता है। कई बार तो अभिभावक और शिक्षक भी उनका साथ देते हैं। इसी कारण पेपर लीक का एक बाजार बन गया है। इसी बाजार के कारण पेपर लीक माफिया पैदा हो गया है, जिसमें कोचिंग चलाने वाले भी शामिल हैं। पेपर लीक माफिया परीक्षाओं के आयोजन से जुड़े लोगों को पैसे देकर अपने साथ मिला लेता है।

इस बार तो उन शिक्षकों ने ही नीट के पेपर लीक कराए, जिनकी जिम्मेदारी इस परीक्षा की शुचिता बनाए रखने की थी। ऐसे में कहना कठिन है कि पेपर लीक संबंधी कानून को और कठोर करने भर से समस्या का समाधान हो जाएगा। समाधान के लिए तकनीक को अपनाया जाना चाहिए। आज के युग में पुराने तौर-तरीकों से परीक्षा कराने का औचित्य नहीं।

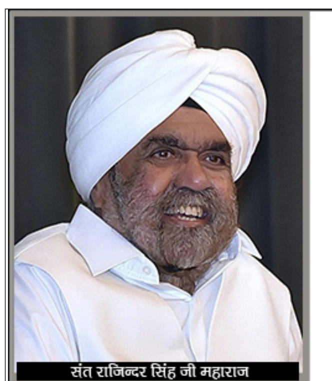

प्रत्येक साँस अनमोल है।
- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज
स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२
देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

पुलिस कार्रवाई ने खड़े किए बड़े सवाल

एक लोकतांत्रिक देश के नागरिक होने के नाते अगर लोग सरकार की किसी कमजोरी पर सवाल उठाते हैं या अपने असंतोष को जाहिर करते हैं, तो क्या उन्हें चुप कराने के लिए पुलिस की बेलगाम सख्ती का सहारा लेने को उचित ठहराया जा सकता है? यह सवाल नीट 2026 में प्रश्नपत्र लीक होने के मुद्दे पर खड़े हुए आंदोलन में शामिल युवाओं के खिलाफ पुलिस के रवैये के सामने आने के बाद उठा है, जिसमें यह विचार करने की जरूरत तक नहीं समझी गई कि क्या प्रदर्शनकारियों पर बल प्रयोग आखिरी विकल्प था।

अव्वल तो आंदोलनकारियों से संवाद के तकाजे को तरजीह नहीं दी गई। उसके बाद दिल्ली के जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन में शामिल होने वालों के खिलाफ पुलिस ने जैसी सख्ती दिखाई, छात्र-छात्राओं की पिटाई की गई, उससे सरकार की मंशा और लोकतंत्र के प्रति उसके दायित्वों पर गहरे सवाल उठे हैं। इसी मुद्दे पर और जंतर-मंतर पर हुए लाठीचार्ज के खिलाफ मुंबई में हुए एक प्रदर्शन के दौरान कुछ विद्यार्थियों को एक पुलिसकर्मी ने आपत्तिजनक और गैरकानूनी तरीके से धमकी दी कि घर चले जाओ, नहीं तो जेब में 'पाउडर' डाल देंगे और फिर जिंदगी भर परेशान रहोगे।

सवाल है कि एक लोकतांत्रिक और

शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन में शामिल होने भर के लिए विद्यार्थियों या किसी भी व्यक्ति को पुलिस ऐसी धमकी देती है, तो उसे कैसे देखा जाएगा? क्या यह एक ऐसी हरकत नहीं है, जिसकी आखिरी चोट कानून के शासन पर ही पड़ेगी? खासतौर पर जब कानून की रक्षा का दायित्व निभाने वाला एक व्यक्ति ही बेहिचक गैरकानूनी धमकी दे रहा हो, तो इसके बाद किससे उम्मीद की जाएगी?

संभव है कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए चौकस रहना पुलिस की जिम्मेदारी के तहत जरूरी है, लेकिन अगर किसी पुलिसकर्मी की हरकत की वजह से ही कानून का शासन भंग होता हो, तो उसे कैसे देखा जाएगा? नीट प्रश्नपत्र लीक के मुद्दे पर जिम्मेदारी तय करने और केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग के साथ प्रदर्शन करना क्या ऐसी गतिविधि है, जिसके लिए विद्यार्थियों को बेरहमी से पीटा जाए या उनसे दुर्व्यवहार किया जाए? इसी तरह कुछ जगहों पर प्रदर्शनकारियों के हंगामे और पुलिसकर्मियों पर हमले को भी उचित नहीं ठहराया जा सकता।

इस क्रम में एक गंभीर सवाल यह उठा है कि जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान विद्यार्थियों पर लाठी चलाने वालों में पुलिसकर्मियों के अलावा ऐसे लोग कौन थे, जिनके पुलिस होने की कोई पहचान नहीं थी। उनमें से कई साधारण लोगों की तरह थे, तो कई की वर्दी पर उनकी नामपट्टी नहीं थी। प्रदर्शनकारियों से इस तरह निपटने का आदेश पुलिस महकमे को आखिर किसने दिया था?

इसमें कोई दोराय नहीं कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना सरकार की जिम्मेदारी है और इसी के तहत अक्सर पुलिस को कई बार सख्त रुख अख्तियार करना पड़ता है। मगर इस जिम्मेदारी में अनिवार्य रूप से यह भी शामिल है कि सरकार की कोई भी कार्रवाई या कवायद किसी भी स्थिति में ऐसी नहीं हो सकती, जिससे लोकतंत्र और संवैधानिक अधिकार कमजोर हों या उन्हें नुकसान पहुंचे। अगर सरकार अपने इस दायित्व का ध्यान नहीं रखती है, तो इसका मतलब यह है कि उसे नागरिकों के लोकतांत्रिक और संवैधानिक अधिकारों की फिक्र नहीं है। मगर नीट प्रश्नपत्र लीक के मसले पर विरोध प्रदर्शन करने वालों के साथ पुलिस का जैसा बर्ताव सामने आया, वैसा रवैया दर्शाकर सरकार क्या संदेश देना चाहती है?

रिटायरमेंट के बाद वैन को ही बना लिया घर

रिटायरमेंट के बाद ज्यादातर लोग आरामदायक जिंदगी बिताना पसंद करते हैं, लेकिन कुछ

जरा हट के

लोग ऐसे भी होते हैं जो जीवन के इस नए पड़ाव को एक नई शुरुआत मानते हैं. सोशल मीडिया पर इन दिनों एक रिटायर्ड कपल का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसने लाखों लोगों को अपनी अनोखी लाइफस्टाइल से प्रभावित किया है. उनका सफर यह बताता है कि खुश रहने के लिए बड़ी-बड़ी सुविधाओं की नहीं, बल्कि एक-दूसरे का साथ और जिंदगी को खुलकर जीने का जज्बा होना चाहिए.

वायरल वीडियो में बुजुर्ग कपल अपनी वैन को ही अपना छोटा-सा घर बनाए हुए नजर आते हैं. इसी वैन में उनका किचन है, यहीं उनका आराम करने का इंतजाम है और यही उनका सफर का साथी भी है. दोनों अलग-अलग जगहों की यात्रा करते हैं, खूबसूरत नजारों का आनंद लेते हैं और हर दिन को एक नए अनुभव की तरह जीते हैं.

वीडियो में कई ऐसे पल देखने को मिलते हैं, जहां दोनों मिलकर खाना बनाते हैं, चाय तैयार करते हैं और प्रकृति के बीच बैठकर सुकून के पल बिताते हैं. कभी किसी पहाड़ी इलाके में सुबह की चाय का आनंद लेते हैं तो कभी किसी शांत जगह पर अपनी वैन खड़ी कर रात बिताते हैं. उनकी सादगी और एक-दूसरे के साथ बिताए गए छोटे-छोटे पल लोगों का दिल जीत रहे हैं.

इस वीडियो को इंस्टाग्राम पर @ghoomnafirnaa नाम के अकाउंट से शेयर किया गया है. पोस्ट के बाद से ही यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. हजारों लोग इसे देख चुके हैं और बड़ी संख्या में यूजर्स इसे अपने दोस्तों और परिवार के साथ भी शेयर कर रहे हैं.

कमेंट सेक्शन में भी लोगों ने इस कपल की जमकर तारीफ की है. एक यूजर ने लिखा, रिटायरमेंट के बाद जिंदगी ऐसे ही जीनी चाहिए. दूसरे ने कहा, इन दोनों को देखकर समझ आता है कि खुशियां महंगी चीजों में नहीं, बल्कि साथ बिताए पलों में होती हैं. वहीं कई लोगों ने लिखा कि उन्होंने भी अब ऐसी ही रोड ट्रिप का सपना देखना शुरू कर दिया है.

कोकोनट कुकीज

सामग्री

- 1/2 कप सूखा नारियल
- 1 कप गेंहू का
- 1/2 कप सूजी
- 1/4 छोटा चम्मच बेकिंग सोडा
- 5 बड़े चम्मच मक्खन
- 1/2 पिसी हुई चीनी या बूरा
- 1/4 चम्मच नमक
- 1 बड़ा चम्मच काजू या बादाम
- 3-4 चम्मच पानी या दूध

विधि

कोकोनट कुकीज बनाने के लिए बड़ी सी कटोरी में मक्खन और बूरे को अच्छे से फेंट लें। ध्यान रहे कि कुकीज के लिए इस मिश्रण को स्पैटुला की मदद से ऐसे फेंटना है कि मलाईदार यानी क्रीमी हो जाए।

इसके बाद गेहूं का आटा, सूजी, नमक और बेकिंग पाउडर को भी उसी में मिक्स कर लें। इसे डालने के बाद अगर मिश्रण ज्यादा सूखा लगे तो ऊपर से थोड़ा सा पानी या दूध डालकर अच्छे से मिक्स कर लें। अब इस मिश्रण का मुलायम सा आटा गूंथ लेना है। इन आटे से छोटी-छोटी और गोल आकार की लोइयां बनानी है। फिर इन्हें हथेलियों से हल्के हाथ से चपटा कर लें। इस स्टेप में कुकीज की कोटिंग के लिए नारियल तैयार करना है। ताजे नारियल या सूखे नारियल दोनों में से किसी को घिसकर कुकीज में शामिल किया जा सकता है। दोनों में ही अलग स्वाद चखने को मिलेगा। ताजे नारियल का इस्तेमाल करना है तो उसे गूंथे हुए आटे में ही शामिल करें। अगर सूखा नारियल है तो

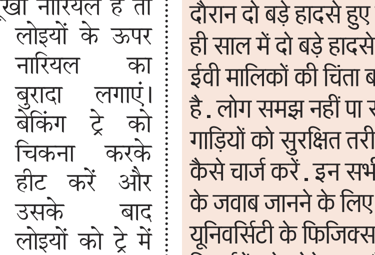

लोइयों के ऊपर नारियल का बुरादा लगाएं। बेकिंग ट्रे को चिकना करके हीट करें और उसके बाद लोइयों को ट्रे में रखें। इस स्टेप में ओवन में 170°C पर 15 मिनट के लिए बेक कर लेना है। ओवन नहीं है तो भारी तली की कड़ाही में नमक डालकर स्टैंड रखें और तेज गर्म करें। फिर इन्हें कम से कम 15-20 मिनट के लिए पकने दें। आपकी बिना मैदा वाली स्वादिष्ट कोकोनट कुकीज तैयार है।

इलेक्ट्रॉनिक वाहन चार्ज करते समय इन 6 बातों का रखें ख्याल

देश की राजधानी दिल्ली में इस साल इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग के दौरान दो बड़े हादसे हुए हैं. एक ही साल में दो बड़े हादसे होने से ईवी मालिकों की चिंता बढ़ गई है. लोग समझ नहीं पा रहे हैं कि गाड़ियों को सुरक्षित तरीके से कैसे चार्ज करें. इन सभी सवालों के जवाब जानने के लिए दिल्ली यूनिवर्सिटी के फिजिक्स डिपार्टमेंट के प्रोफेसर और एक्सपर्ट अशोक से बातचीत की गई. प्रोफेसर अशोक ने बताया कि ज्यादातर इलेक्ट्रिक वाहनों में लिथियम-आयन (Lithium-ion) बैटरियों का इस्तेमाल होता है. इन बैटरियों के इस्तेमाल में खास सावधानी बरतने की जरूरत होती है.

1. गाड़ी ठंडी होने के बाद ही चार्जिंग पर लगाएं

लोग अक्सर बाहर से गाड़ी चलाकर लौटते ही उसे तुरंत चार्जिंग पर लगा देते हैं. यह बहुत बड़ी गलती है. लंबी राइड के बाद गाड़ी और बैटरी दोनों काफी गर्म रहती हैं. गर्म स्थिति में चार्जिंग शुरू करने से ब्लास्ट का खतरा बढ़ जाता है. इसलिए गाड़ी चलाकर लौटने के बाद कम से कम आधा घंटा इंतजार करें. जब गाड़ी ठंडी हो जाए, तभी चार्जर लगाएं.

2. ओवरचार्जिंग से बचें

गाड़ी को चार्ज पर लगाकर भूल जाने की आदत जानलेवा साबित हो सकती है. जरूरत से ज्यादा चार्ज करने पर बैटरी पर दबाव बनता है. इससे ओवरहीटिंग होती है और ब्लास्ट की संभावना बढ़ जाती है. फुल चार्ज होते ही स्विच बंद कर दें.

3. खुली और सही जगह पर करें चार्जिंग

इलेक्ट्रिक वाहन को कभी भी तेज धूप या भारी तापमान वाली जगह पर चार्ज न करें.

ईवी को हमेशा खुली और हवादार जगह पर ही चार्ज करें.

बारिश के मौसम में चार्जिंग सॉकेट और तारों की जांच करें. गीली जगह या पानी के संपर्क में आने वाले तारों से चार्ज न करें। इससे शॉर्ट सर्किट हो सकता है.

4. चार्ज करते समय बिजली के लोड का ध्यान रखें:

घर में ईवी चार्ज करते समय वोल्टेज का ध्यान रखना बेहद

जरूरी है. जब गाड़ी चार्ज हो रही हो, तब घर के अन्य भारी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण (जैसे एसी या हीटर) एक साथ न चलाएं.

ऐसा करने से बिजली के लोड पर अचानक असर पड़ता है. इससे घर की वायरिंग में शॉर्ट सर्किट या ब्लास्ट का खतरा बढ़ जाता है.

5. हमेशा ओरिजिनल बैटरी का ही इस्तेमाल करें:

जब भी वाहन की बैटरी बदलवाने की जरूरत पड़े, तो हमेशा अधिकृत केंद्र से ओरिजिनल बैटरी ही लगवाएं. सस्ती या लोकल बैटरियों में सुरक्षा फीचर्स नहीं होते हैं.

अगर बैटरी खराब हो गई है या सही बैकअप नहीं दे रही, तो उसे जबरदस्ती न चलाएं. समय रहते नई बैटरी बदलवा लें.

6. चार्जिंग के दौरान निगरानी रखें

गाड़ी को चार्जिंग पर लगाकर पूरी तरह बेफिक्र न हों. बीच-बीच में बैटरी और चार्जर की स्थिति की जांच करते रहें. अगर चार्जर या प्लग ज्यादा गर्म महसूस हो, तो तुरंत चार्जिंग रोक दें.

आज का राशिफल

मेष : निवेश के सुखद परिणाम आएंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। किसी बड़ी बाधा के दूर होने से प्रसन्नता रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। भाग्य का साथ मिलेगा। पुराना रोग उभर सकता है। विवाद से क्लेश संभव है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

वृषभ : कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। व्यस्तता रहेगी। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। दूसरों से अपेक्षा पूर्ण नहीं होने से खिन्नता रहेगी। कार्य में विलंब होगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा।

मिथुन : व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य का साथ रहेगा। व्यापार में वृद्धि के योग हैं। निवेश शुभ रहेगा। आय होगी। प्रमाद न करें। पुराने शत्रु परेशान कर सकते हैं। थकान व कमजोरी रह सकती है। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी।

कर्क : कारोबार में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। नए व्यापारिक अनुबंध होंगे। धनार्जन होगा। लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। शत्रु परास्त होंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सिंह : कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। परिवार के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। कारोबार अच्छा चलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्नता रहेंगे। किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

कन्या : धनलाभ के अवसर प्राप्त होंगे। आय में निश्चितता होगी। ऐश्वर्य पर व्यय होगा। वाहन व मशीनरी आदि के प्रयोग में सावधानी रखें, विशेषकर स्त्रियां रसोई में ध्यान रखें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। भाइयों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता बनी रहेगी। कुसंगति से हानि होगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा।

तुला : कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। सुख के साधन जुटेंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेशादि शुभ रहेंगे। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। स्त्री पक्ष से लाभ होगा। अज्ञात भय रहेगा। शत्रु परास्त होंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा।

वृश्चिक : आय में वृद्धि होगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। कोई बड़ा लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। भाग्य बेहद अनुकूल है, लाभ लें। चोट व रोग से बचें। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। अपरिचित पर अतिविश्वास न करें।

धनु : भागदौड़ रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। किसी गलती का खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। जल्दबाजी व लापरवाही न करें। अज्ञात भय सताएगा। पुराना रोग उभर सकता है।

मकर : आज लेन-देन में विशेष सावधानी रखें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। दु:खद समाचार मिल सकता है। किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है। व्यर्थ भागदौड़ होगी। कार्य में विलंब होगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे। आय में निश्चितता रहेगी। पुराना रोग उभर सकता है।

कुंभ : पराक्रम बढ़ेगा। आय में वृद्धि होगी। पराक्रम बढ़ेगा। किसी बड़े काम को करने में रुझान रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रशंसा प्राप्त होगी। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा। चोट व रोग से बचें। घर में तनाव रह सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

मीन : आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। विवेक से कार्य करें। विरोधी सक्रिय रहेंगे। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में चैन रहेगा। आय में वृद्धि होगी। मित्रों के साथ समय मनोरंजक व्यतीत होगा। प्रमाद न करें।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

डायबिटीज, बुखार और सिर दर्द...

- ये औषधि निचोड़ देगी शरीर की सारी बीमारी
- नहीं पड़ेगी महंगी दवाइयों की जरूरत

भारत देश में कई ऐसे पौधे देखने को मिलते हैं, जो अपने औषधीय गुणों के लिए जाने जाते हैं. इन्हीं में से एक है घनेरी का पौधा, जो अक्सर सड़क किनारे दिख जाता हैं. घनेरी का उपयोग प्राचीन काल से ही विभिन्न बीमारियों के इलाज में किया जाता आ रहा है. राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय नगर बलिया की पांच साल अनुभवी चिकित्साधिकारी डॉ. वंदना तिवारी के अनुसार, घनेरी एक औषधीय पौधा है, इसके फल, पत्ते और छाल हमारी सेहत व स्वास्थ्य के लिए काफी बेहद लाभकारी और गुणकारी है. इसमें बहुत सारे औषधीय गुण मौजूद होते हैं.

घनेरी के पौधें में मैग्नीशियम, सल्फ़र, बोरॉन, क्लोरीन, लोहा, ज़िंक, नाइट्रोजन, फ़ॉस्फ़ोरस, और पोटैशियम जैसे कई पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो हमें कई बीमारियों से बचाते हैं. बवासीर में फायदेमंद

घनेरी की छाल, आँवला का फल तथा लाल कचनार बराबर मात्रा में लेकर काढ़ा बना लें.

इस काढ़ा से बने खड्यूष में अनार, इमली आदि फलों के रस को मिलाकर सेवन करने से खूनी बबासीर में आराम मिलता है. खूनी दस्त व पेचिश की समस्या में फायदेमंद घनेरी के ताजे फलों को कूटकर उसका रस निकाल लें. दिन में 3-4 बार इस रस का 1-1 चम्मच सेवन करें. कुछ दिन तक लगातार पीने से तो खूनी दस्त रुक सकते हैं.

इसमें बुखार और दर्द आदि दूर करने के गुण होते हैं. इसकी पत्तियों को पीसकर सिर पर लेप करने से बुखार के कारण होने वाला सिरदर्द तो दूर होता ही है, साथ ही जलन और सिर का भारीपन से भी छुटकारा मिलता है. बुखार में फायदेमंद घनेरी के 20 से 40 मिली काढ़ा में चीनी या मिश्री मिलाकर इसे ठंडा कर लें. और

इसका सुबह और शाम सेवन करने से जलन और तेज प्यास वाली गंभीर बुखार में लाभ होता है. इसके अलावा घनेरी के फल का एक चम्मच रस दिन में तीन बार नियमित सेवन करने से भी बुखार ठीक हो जाता है. गठिया में फायदेमंद मुलेठी और गंभारी के फल को मिलाकर काढ़ा बनाया जा सकता हैं.

इस काढ़ा का दिन में तीन बार 20 से 40 मिली मात्रा में सेवन करने से आमवात या गठिया में लाभ होता है. गंभारी की जड़ का 40 मिली काढ़ा बना लें. इसे सुबह शाम सेवन करने से यह पेट की बीमारी में फायदा पहुंचाता है. ये दोनों ही गैस बनने या पेट में कीड़े होने आदि की स्थिति में भी लाभ देते हैं. लेकिन कभी भी इसका सेवन सावधानी और डॉक्टर की देखरेख में ही करें. वरना यह जहरीला भी हो सकता हैं.

गैस, ब्लोटिंग और एसिडिटी में फायदेमंद है लौंग

हाल ही में फोर्टिस वसंत कुंज (नई दिल्ली) के जाने-माने गैस्ट्रो एंटेरोलॉजिस्ट और हेपेटोलॉजिस्ट डॉ. शुभम वत्स ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए लौंग के औषधीय गुणों और इसके सेवन के सही तरीके के बारे में विस्तार से जानकारी साझा की है. डॉक्टर के मुताबिक, गैस, ब्लॉटिंग (पेट फूलना) और एसिडिटी जैसी समस्याओं के लिए लौंग भारत का सबसे बेहतरीन और प्राकृतिक उपाय है.

पाचन को बेहतर बनाने में मिल सकती है मदद

आयुर्वेद के अनुसार, लौंग 'दीपन-पाचन' गुणों वाली मानी जाती है, यानी यह पाचन अग्नि को बेहतर बनाने में सहायक हो सकती है. भोजन के बाद 1-2 लौंग चबाने से लार और पाचन रसों का स्राव बढ़ सकता है, जिससे खाना आसानी से पचने में मदद मिलती है. यही वजह है कि कई लोगों को गैस, भारीपन और ब्लोटिंग जैसी हल्की परेशानियों में राहत महसूस होती है.

एसिडिटी में कितना असरदार?

कुछ लोगों में लौंग चबाने से पाचन बेहतर होने के कारण एसिडिटी के लक्षण कम हो सकते हैं. लेकिन अगर आपको बार-बार सीने में जलन, खट्टी डकार या एसिड रिफ्लक्स की समस्या रहती है, तो इसे इलाज नहीं माना जा सकता. American College of Gastroenterology के अनुसार, लगातार एसिडिटी गैस्ट्रोइसोफेगल रिफ्लक्स डिजीज (GERD) का संकेत भी हो सकती है, जिसका सही इलाज डॉक्टर की सलाह से ही संभव है.

सही मात्रा क्या है?

विशेषज्ञों के अनुसार, खाना खाने के बाद 1 से 2 साबुत लौंग धीरे-धीरे चबाना पर्याप्त है. रोजाना अधिक मात्रा में लौंग खाना सही नहीं माना जाता. जरूरत से ज्यादा सेवन करने पर मुंह में जलन, पेट खराब होना या कुछ लोगों में एलर्जी जैसी समस्याएं हो सकती हैं.

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

शादी की इजाजत न मिलने पर प्रेमी युगल ने एक ही पंखे से लगाई फांसी

लखनऊ. उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के पीजीआई क्षेत्र के तेलीबाग स्थित न्यू बलदेव विहार कॉलोनी में रिश्तों और प्रेम के बीच फंसे एक प्रेमी युगल की कहानी शनिवार देर रात एक दर्दनाक अंत तक पहुंच गई। रिश्ते में भाई-बहन लगने वाले युवक और युवती ने एक ही कमरे में, एक ही सीलिंग फैन से अलग-अलग दुपट्टों के सहारे फांसी लगाकर जान दे दी। दोनों बीते तीन वर्षों से प्रेम संबंध में थे और शादी करना चाहते थे, लेकिन दोनों के परिवार इस रिश्ते के लिए राजी नहीं थे। पुलिस के मुताबिक, 21 वर्षीय युवक तेलीबाग में अपने माता-पिता और भाई के साथ किराए के मकान में रहता था। 23 जुलाई को वह अहमदाबाद जाने की बात कहकर घर से निकला, लेकिन नोएडा पहुंचकर अपनी बुआ की 18 वर्षीय बेटी को साथ ले गया। इसके बाद दोनों अयोध्या पहुंचे, जहां तलाश करते हुए युवक के परिजनों ने उन्हें खोज निकाला।

शार्ट सर्किट से घर में लगी आग

लखनऊ. उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के विकासनगर सेक्टर छह में रविवार सुबह एक मकान के पहले तल पर बने स्टोर रूम में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। सूचना पर इंदिरानगर फायर स्टेशन से पहुंचे दमकल कर्मियों ने घँटे भर की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। घटना के समय गृह स्वामी वर्षा पत्नी सौरभ और अन्य लोग भूतल पर थे। इस बीच पहले तल स्टोर रूम से धुआं और आग की लपटें निकलती देख पड़ोसियों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। वर्षा और परिवारीजन आनन फानन घर से बाहर निकले।

फावड़े से पत्नी की गर्दन-सिर पर वार कर हत्या

मैनपुरी. यूपी के मैनपुरी में एक पति ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि करहल थाना क्षेत्र के ग्राम भूरेपुर में पत्नी की हत्या करके पति घर के बाहर चबूतरे पर सो गया। आरोपी पति ने फावड़े से पत्नी की गर्दन और सिर पर वार किए जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही मायके पक्ष के लोग मौके पर पहुंच गए और पति को तख्त पर सोते समय पकड़ लिया और पुलिस की मौजूदगी में जमकर पिटाई कर दी। पुलिस ने मुश्किल से उसकी जान बचाई और उसे थाने ले गई। घटना से इलाके में सनसनी है। शव का पोस्टमार्टम कराया गया है।

बेटी की हत्या कर रातों रात फूंक दी लाश

अलीगढ़. उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले के गोंडा थाना क्षेत्र के गांव बसौली में खून के रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली वारदात सामने आई है। यहां परिजनों ने अपनी ही बेटी की प्रेम प्रसंग के चलते हत्या कर दी और रातों-रात शव को जलाकर अंतिम संस्कार कर दिया। मामले का खुलासा तब हुआ, जब युवती के प्रेमी ने शुक्रवार सुबह पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शनिवार को आरोपी पिता समेत तीन लोगों को जेल भेज दिया। इनमें जिला पंचायत सदस्य मामा भी शामिल है। वहीं, एक बाल अपचारी को भी पकड़ा गया है, जिसे बाल सुधार गृह भेजा गया है।

पेपल लीक मामले में 10 साल जेल और 50 लाख जुर्माने का प्रावधान

- आज आ सकता है नया बिल
- जांच के लिए 2 महीने मिलेंगे

नई दिल्ली. केंद्र सरकार पेपर लीक रोकने के लिए पब्लिक एग्जामिनेशन (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) एक्ट, 2024 में संशोधन करने जा रही है।

पीएम नरेंद्र मोदी के आश्वासन के बाद सोमवार को कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग के केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह लोकसभा में नया बिल पेश कर सकते हैं। इसमें सजा और जुर्माने के प्रावधानों को और सख्त किया गया है।

स्पेशल टास्क फोर्स और फास्ट ट्रैक कोर्ट

बिल में दो नई धाराएं 12ए और 12बी जोड़ी गई हैं। इसके तहत केंद्र सरकार एक स्पेशल टास्क फोर्स का गठन कर सकेगी। केंद्रीय जांच एजेंसी या एसआईटी को केंद्र सरकार द्वारा मामला सौंपे जाने के 2 महीने के भीतर जांच पूरी करनी होगी।

फास्ट ट्रैक कोर्ट के जरिए रोजाना सुनवाई होगी। राज्य सरकारें और केंद्र शासित प्रदेश हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के परामर्श से स्पेशल फास्ट ट्रैक कोर्ट नामित करेंगे। चार्जशीट दाखिल होने के 3 महीने के भीतर ट्रायल पूरा करना अनिवार्य होगा।

अपील के लिए भी सख्त नियम

बिल में अपील के लिए भी समय सीमा तय की गई है। स्पेशल फास्ट ट्रैक कोर्ट के फैसले के खिलाफ हाई कोर्ट में अपील की जा सकेगी।

ऐसी अपील पर दो जजों की बेंच सुनवाई करेगी और इसे 3 महीने के भीतर निपटाने का प्रयास किया जाएगा। अपील फैसले के 30 दिनों के भीतर करनी होगी, जिसे विशेष परिस्थितियों में 90 दिनों तक बढ़ाया जा सकता है।

जंतर-मंतर पर आंदोलन खत्म, सफाई अभियान शुरू

- मंच-लाउडस्पीकर हटाए गए, प्रदर्शनकारी लौटे
- बैरिकैड्स सड़क किनारे किए, पुलिस भी तैनात

नई दिल्ली. नीट पेपर लीक और एजुकेशन सिस्टम में गड़बड़ी को लेकर 20 जून से जंतर-मंतर पर हो रहा धरना-प्रदर्शन शनिवार को खत्म हो गया। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) ने आंदोलन खत्म करने की घोषणा की।

इसके बाद जंतर-मंतर से प्रदर्शनकारी घर लौटने लगे। यहां 36 दिनों से लगा हुआ मंच हटा दिया गया। लाउडस्पीकर निकाल दिए गए। इसके बाद धरनास्थल पर बचे हुए कचरे को एनडीएमसी और स्टूडेंट्स ने साफ किया। पुलिस बल यहां तैनात रही।

प्रह्लाद जोशी ने संभाला शिक्षा मंत्रालय का जिम्मा

- रविवार को ही बुला ली बैठक

नई दिल्ली. कॉकरोच जनता पार्टी और छात्रों के 36 दिनों के आंदोलन के बाद शनिवार को धर्मेंद्र प्रधान ने शिक्षा मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद मंत्रालय की जिम्मेदारी केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी को दी गई है। उन्होंने रविवार को शिक्षा मंत्री का पद संभाल लिया है।

इस मौके पर उन्होंने अधिकारियों के साथ संक्षिप्त बैठक भी की। प्रह्लाद जोशी के पास पहले से मौजूद मंत्रालयों की भी जिम्मेदारी बनी रहेगी। उनके पास फिलहाल नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय भी है।

- बीजेपी में अनुभवी नेता के तौर पर पहचान

बता दें कि बीजेपी में प्रह्लाद जोशी काफी अनुभवी नेता के तौर पर पहचान रखते हैं। इसके अलावा संसद की कार्यवाही के दौरान भी वह काफी सक्रिय रहते हैं। वह लंबे समय तक आरएसएस से जुड़े रहे हैं। ऐसे में संगठन में उनकी अच्छी पकड़ मानी जाती है। प्रह्लाद जोशी ने अपनी राजनीति की शुरुआत कर्नाटक के धारवाड़ जिले से की ती। उन्होंने यहां पार्टी के लिए जमकर काम किया और उन्हें इसका इनाम 2004 के आम चुनाव में मिला।

- पांच बार के सांसद प्रह्लाद जोशी

2004 में पहली बार प्रह्लाद जोशी धारवाड़ से जीतकर लोकसभा पहुंचे थे। इसके बाद लगातार पांच चुनाव में उन्होंने जीत हासिल की।

प्रह्लाद जोशी पिछले 22 साल से लोकसभा सांसद हैं। पांच बार विजय हासिल करने की वजह से उनकी गिनती कर्नाटक के काफी लोकप्रिय और प्रभावशाली नेताओं में होती है।

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष का भी संभाल चुके हैं जिम्मा

जानकारों का कहना है कि प्रह्लाद जोशी के कंधे यह जिम्मेदारी बीजेपी ने काफी सोच-समझकर डाली है। वह 2012 में कर्नाटक में बीजेपी के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। 2014 के बाद उन्हें लोकसभा में अलग-अलग संसदीय समितियों का अध्यक्ष बनाया गया। वहीं 2019 में उन्होंने संसदीय कार्य, कोयल और खनन मंत्रालय का जिम्मा संभाला। तीसरी बार मोदी सरकार बनने के बाद उन्हें उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय की जिम्मेदारी दी गई।

रूस-यूक्रेन युद्ध में कमर्शियल जहाज पर हमला, दो भारतीय नाविक लापता

रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच काला सागर के समुद्री क्षेत्र में कमर्शिलय जहाजों पर हमले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। यूक्रेन के प्रमुख बंदरगाह शहर ओडेसा में शनिवार को एक और मर्चेंट वेसल 'MV AGN Ragnar' हमले का शिकार हो गया। इस जहाज पर चार भारतीय नागरिक (नाविक) सवार थे। कीव स्थित भारतीय दूतावास ने रविवार को बयान जारी कर पुष्टि की है कि चार में से दो भारतीय नागरिक पूरी तरह सुरक्षित हैं, जबकि बाकी दो लापता भारतीय क्रू मेंबर्स की तलाश के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है।

12 साल में 116 पेपर लीक, 7.5 करोड़ बच्चे प्रभावित

- 19 राज्यों में पेपर माफिया
- निशाने पर शिक्षक-पुलिस भर्तियां
- नीट से सालों का गुस्सा फूटा

नई दिल्ली. देश में पेपर लीक अब किसी एक परीक्षा या राज्य की समस्या नहीं रह गई है। यह पूरे देश में फैले एक बड़े संगठित नेटवर्क का रूप ले चुका है। 2014 से जुलाई 2026 तक मीडिया रिपोर्टों और सरकारी कार्रवाई के आधार पर कम से कम 116 पेपर लीक के मामले सामने आए हैं।

इन मामलों से करीब 7.5 करोड़ अभ्यर्थी प्रभावित हुए और पेपर माफिया का नेटवर्क 19 राज्यों तक फैला मिला। 2014 से 2024 के बीच 89 मामले सामने आए थे।

इनमें 21 केंद्रीय संस्थानों और 68 राज्य स्तरीय परीक्षाओं से जुड़े थे। इसके बाद 2025 में 20 और 2026 में जुलाई तक नीट-यूजी समेत 7 पेपर लीक के मामले दर्ज किए गए।

2019 से 65 पेपर लीक,

देशभर में जनवरी 2019 से जून 2024 के बीच 19 राज्यों में 65 परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक हुए। इनमें सरकारी भर्तियों से लेकर प्रवेश, बोर्ड और विश्वविद्यालयों की परीक्षाएं शामिल हैं।

इन 65 मामलों में 45 सरकारी भर्ती परीक्षाओं से जुड़े थे। पेपर लीक के कारण कम से कम 27 परीक्षाएं रद्द या स्थगित करनी पड़ीं।

इससे तीन लाख से अधिक सरकारी पदों पर भर्ती अटक गई। सबसे ज्यादा निशाने पर शिक्षक और पुलिस भर्ती परीक्षाएं रहीं।

उत्तर प्रदेश 11 मामलों के साथ सबसे ऊपर रहा। मध्य प्रदेश और राजस्थान में नौ-नौ, महाराष्ट्र में छह और गुजरात में पांच मामले दर्ज हुए।

केंद्र की एसएससी, केंद्रीय विद्यालय संगठन, यूपीएससी, सेना, ओएनजीसी और कृषि वैज्ञानिक भर्ती बोर्ड जैसी आठ भर्ती परीक्षाएं रद्द करनी पड़ीं।

इससे भर्तियां दो से आठ महीने तक खिंचीं। 2025-26 में बोर्ड, भर्ती, पात्रता, विश्वविद्यालय और मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं तक पेपर लीक जारी रहे।

चुनाव लड़ने की उम्र 21 साल करने का प्रस्ताव

तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी ने कहा कि लोकसभा और विधानसभा चुनाव लड़ने की न्यूनतम उम्र 25 साल से घटाकर 21 साल करने का प्रस्ताव पारित किया जाएगा। इसके बाद, इसे केंद्र सरकार के पास भेजा जाएगा। हैदराबाद में नीट पेपर लीक मामले को लेकर आयोजित कैंडल लाइट रैली में उन्होंने ने यह बात कही। अगस्त के पहले हफ्ते में विधानसभा और विधान परिषद का विशेष सत्र बुलाया जाएगा। रेवंत रेड्डी ने कहा कि देश की आबादी में युवाओं (जेन जी) की हिस्सेदारी 30 फीसदी है.

'फोर्स का इस्तेमाल मानकों के मुताबिक नहीं हुआ'

- संसद चलो मार्च पर आई RAF की रिपोर्ट

नई दिल्ली. 20 जुलाई को 'कॉकरोच जनता पार्टी' (CJP) के 'चलो संसद' मार्च के दौरान जंतर-मंतर पर हुए लाठीचार्ज और तीन प्रदर्शनकारियों के पेलेट गन से घायल होने के मामले में सुरक्षा एजेंसियों के भीतर से बड़ी खबर सामने आई है। द इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, रैपिड एक्शन फोर्स (RAF) की महानिरीक्षक (IG) सीमा धुंधिया ने स्वीकार किया है कि प्रदर्शनकारियों पर किया गया बल प्रयोग निर्धारित मानकों और RAF की ट्रेनिंग के मुताबिक नहीं था।

22 जुलाई को दिल्ली में तैनात कंपनी कमांडरों और कमांडेंटों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हुई एक उच्चस्तरीय बैठक में IG सीमा धुंधिया ने माना कि उस दिन 'फोर्स ग्रेडिएंट' यानी परिस्थिति के हिसाब से कदम दर कदम बल प्रयोग करने में गंभीर चूक हुई है।

आंतरिक समीक्षा बैठक में कई बड़े फैसले लिए गए और भविष्य के लिए दिशा-निर्देश जारी किए गए। IG सीमा धुंधिया ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जिन जवानों का तबादला हाल ही में जम्मू-कश्मीर या दूसरे स्पेशल ऑपरेशन्स (आतंकवाद रोधी/उग्रवाद रोधी) क्षेत्रों से हुआ है, उन्हें तुरंत दिल्ली जैसे संवेदनशील शहरों में भीड़ नियंत्रण की ड्यूटी में तैनात न किया जाए।

कश्मीर या कॉम्बैट जोन में काम करने का माहौल और दृष्टिकोण अलग होता है, जबकि दिल्ली, बिहार, असम और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में भीड़ से निपटने के लिए एक बेहद संतुलित, संवेदनशील और धैर्यपूर्ण दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है।

गुजरात, महाराष्ट्र-ओडिशा में बारिश का रेड अलर्ट

- असम में बाढ़ से 7 लाख लोग प्रभावित, 66 मौतें
- हिमाचल में लैंडस्लाइड से 134 सड़कें बंद

नई दिल्ली. मौसम विभाग का कहना है कि बंगाल की खाड़ी से बने लो प्रेशर और वेस्टर्न डिस्टरबेंस के असर से गुजरात, बंगाल, ओडिशा, महाराष्ट्र और पूर्वोत्तर के राज्यों में भारी बारिश हो रही है। लेकिन यह बारिश अब भी सामान्य से 16.1% कम है।

उत्तर भारत में 31 जुलाई तक बारिश का दौर जारी रहेगा। हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और उत्तराखंड में तेज बारिश की संभावना है। हिमाचल, उत्तराखंड, पंजाब समेत कई राज्यों में भारी बारिश होगी। इधर, असम में बाढ़ के हालात अब भी गंभीर हैं। अब तक 66 की मौत हो चुकी है।

छात्रों पर पैलेट गन चलाने का आदेश किसने दिया?

- राहुल गांधी ने चिट्ठी लिखकर अमित शाह से पूछे सवाल

नई दिल्ली. लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर आंदोलन के दौरान छात्रों पर हुए लाठीचार्ज को लेकर जवाबदेही लेने की मांग की है। उन्होंने एक चिट्ठी लिखकर पूछा है कि छात्रों को मारने का आदेश किसने दिया? राहुल का कहना है कि छात्र सिर्फ उचित शिक्षा व्यवस्था की मांग कर रहे थे, लेकिन सुरक्षाबलों ने उन पर बल प्रयोग किया। वह आगे लिखते हैं कि सरकार की जिम्मेदारी प्रदर्शनकारियों की सुरक्षा करने और उनकी शिकायतों का संवाद के जरिए समाधान करने की है। इस तरह की बर्बर कार्रवाई लोकतांत्रिक मर्यादा को तार-तार कर देती है।

राहुल गांधी ने अमित शाह से पूछा है कि गृह मंत्री के तौर पर क्या आपने छात्रों के खिलाफ पैलेट गन समेत घातक बल प्रयोग करने की अनुमति दी थी।

राहुल गांधी ने पत्र में लिखा कि छात्र एक निष्पक्ष और जवाबदेह शिक्षा व्यवस्था की मांग कर रहे थे, लेकिन उनकी बात सुनने के बजाय उन पर अंधाधुंध बल प्रयोग किया गया। उन्होंने दावा किया कि इस कार्रवाई में सैकड़ों छात्र घायल हुए और महिला छात्रों के साथ भी दुर्व्यवहार किया गया।

विपक्ष के नेता ने विशेष रूप से पैलेट गन के इस्तेमाल पर सवाल उठाते हुए लिखा कि मीडिया और सोशल मीडिया में सामने आई तस्वीरें गंभीर चोटों की ओर इशारा करती हैं। उन्होंने हरियाणा के 19 वर्षीय छात्र साहिल लोचब का जिक्र करते हुए कहा कि वह पेलेट गन से घायल हुआ है और उसकी एक आंख की रोशनी जाने का खतरा है।

अनाहत ने जूनियर स्क्वैश वर्ल्ड चैंपियनशिप जीती

- खिताब जीतने वाली पहली भारतीय बनीं
- फाइनल में मिस्र की रुक्या सलेम को 3-0 से हराया

भारत की 18 साल की स्क्वैश खिलाड़ी अनाहत सिंह ने वर्ल्ड स्क्वैश जूनियर चैंपियनशिप 2026 का खिताब जीता।

शनिवार को खेले गए गर्ल्स सिंगल्स फाइनल में टॉप सीड अनाहत ने मिस्र की दूसरी वरीयता प्राप्त रुक्या सलेम को 11-3, 11-7, 11-9 से हराया। इसके साथ ही वे जूनियर वर्ल्ड चैंपियन बनने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गईं।

जोशना चिनप्पा का 21 साल पुराना रिकॉर्ड टूटा

इससे पहले भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2005 में रहा था, जब जोशना चिनप्पा फाइनल तक पहुंची थीं। अनाहत ने अब भारत को इस टूर्नामेंट का पहला गोल्ड दिलाया।

मिस्र का 15 साल पुराना दबदबा खत्म

गर्ल्स जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में 2011 से लगातार मिस्र की खिलाड़ी खिताब जीत रही थीं। अनाहत ने फाइनल में रुक्या सलेम को हराकर यह सिलसिला तोड़ दिया। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में 6 मैच खेले और सिर्फ 2 गेम गंवाए।

पिछले साल ब्रॉन्ज जीता था

अनाहत ने पिछले साल जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। इस बार उन्होंने उसे गोल्ड में बदल दिया। चार बार की चैंपियन मिस्र की अमीना ओर्फी उम्र सीमा के कारण इस बार टूर्नामेंट में नहीं खेलीं।

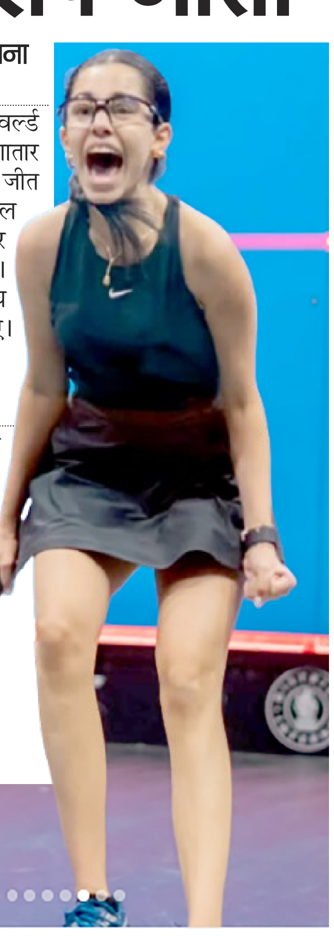

पेपर लीक के बाद अब E20 के खिलाफ बड़ा आंदोलन!

- 4 अगस्त को संसद घेरने की तैयारी में टैक्सी यूनियन

नई दिल्ली. जंतर-मंतर पर 36 दिनों के लंबे छात्र और GenZ आंदोलन के बाद अब इथेनॉल के खिलाफ भी एक बड़े आंदोलन की तैयारी हो रही है। देश में 20 फीसदी इथेनॉल ब्लेंडेड पेट्रोल (E20 Fuel) के इस्तेमाल को लेकर ऑल इंडिया टूरिस्ट परमिट (AITP) टैक्सी ड्राइवरों और ट्रांसपोर्टरों का असंतोष अब सड़कों पर उतरने जा रहा है। दिल्ली टैक्सी एंड टूरिस्ट ट्रांसपोर्टर्स एंड टूर ऑपरेटर एसोसिएशन ने E20 पेट्रोल की नीतियों, गाड़ियों की माइलेज में आ रही गिरावट और कड़े नियमों के विरोध में 4 अगस्त को संसद मार्च का ऐलान किया है।

शुक्रवार को आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय सम्राट और दूसरे सदस्यों ने ट्रांसपोर्टरों की समस्याओं को मीडिया के सामने रखा। इस दौरान वे विरोध के प्रतीक के रूप में हाथों में गन्ने थामे नजर आए।

'पुरानी गाड़ियों के इंजन हो रहे खराब'

- प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय सम्राट ने E20 ईंधन को लेकर गाड़ियों के मालिकों और चालकों की मुख्य शिकायतें दर्ज कराईं।
- **माइलेज में गिरावट और रखरखाव का खर्च:** देशभर के वाहन चालकों ने शिकायत की है कि 20 प्रतिशत इथेनॉल मिले पेट्रोल के इस्तेमाल से गाड़ियों का माइलेज कम हो गया है और इंजन के मेंटेनेंस का खर्च बढ़ गया है।
- **2015 से पुरानी गाड़ियों के लिए अनुपयुक्त:** उन्होंने कहा, '2015 से पहले बने ज्यादातर वाहन 20 फीसदी इथेनॉल मिश्रण वाले पेट्रोल के अनुकूल नहीं हैं। यह ईंधन मुख्य रूप से केवल नए मॉडल की गाड़ियों के लिए ही सही है। जब लोग पेट्रोल की पूरी कीमत चुका रहे हैं और ईंधन महंगा हो रहा है, तो उन्हें मिलावटी पेट्रोल क्यों दिया जा रहा है?'

भारत इनोवेशन के रास्ते खोज रहा, पाकिस्तान घुसपैठ के

- राजनाथ बोले-अगर वह रोड़े अटकाएगा तो सेनाएं तैयार
- रक्षामंत्री ने लद्दाख में कारगिल शहीदों को श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली. कारगिल विजय दिवस की 27वीं वर्षगांठ पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत इनोवेशन के रास्ते खोज रहा है तो पाकिस्तान घुसपैठ के रास्ते खोज रहा है। भारत शिप डिजाइन कर रहा है तो पाकिस्तान टेरर डिजाइन में लगा हुआ है। भारत स्टार्टअप इकोसिस्टम खड़ा कर रहा है तो पाकिस्तान टेरर इकोसिस्टम खड़ा कर रहा है। भारत सेमीकंडक्टर बना रहा है तो पाकिस्तान सुसाइड बॉम्बर्स तैयार कर रहा है।

साफ है कि हमारे रास्ते अलग-अलग हैं। ऐसे में पाकिस्तान अपने घटिया मंसूबे लेकर हमारी समृद्धि के रास्ते में रोड़े खड़े करता है तो उसे करारा जवाब देने के लिए हमारी सेनाएं तैयार बैठी हैं। इससे पहले रक्षा मंत्री ने लद्दाख के द्रास स्थित कारगिल वॉर मेमोरियल में शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

रक्षा मंत्री शनिवार को द्रास पहुंचे थे

- रक्षा मंत्री शनिवार को द्रास पहुंचे थे। यहां उन्होंने कारगिल वॉर मेमोरियल में आयोजित 'शौर्य संध्या' कार्यक्रम में हिस्सा लिया था। यह कार्यक्रम कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित दो दिवसीय समारोह का हिस्सा है।
- सैनिकों को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि आज भी चुनौतियां कम नहीं हुई हैं। घुसपैठियों की नीयत नहीं बदली है। वे अब भी प्रॉक्सी वॉर और घुसपैठ जैसे हथकंडे अपनाते हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि भारतीय सेना ऐसी हर चुनौती का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

'गंगा में चिकन खाने से रोकने का कोई कानून नहीं'

नई दिल्ली। वाराणसी में गंगा नदी के बीच नाव पर इफ्तार पार्टी के दौरान कुछ युवकों द्वारा चिकन बिरयानी खाने और हड्डियां फेंकने के मामले में सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस उज्जवल भुइयां ने बड़ी टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि गंगा नदी में चिकन खाना कोई अपराध नहीं है और इसके लिए किसी को जेल में नहीं डाला जा सकता। भोपाल में एक यूनिवर्सिटी में दिए एक लेक्चर में उन्होंने वाराणसी के इस मामले का जिक्र करते हुए यह बात कही।

इस मामले में 14 मुस्लिम युवाओं को नाव पर इफ्तार के दौरान चिकन बिरयानी खाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

संक्षेप...

व्यावसायिक केंद्र में आग, कोई हताहत नहीं

मुंबई. मुंबई के पश्चिमी उपनगर अंधेरी में स्थित एक व्यावसायिक केंद्र में शनिवार शाम आग लग गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अंधेरी पश्चिम स्थित 'बॉनी प्लाजा' में शाम करीब पांच बजे आग लगी। इस घटना में कोई भी व्यक्ति घायल नहीं हुआ।

एक अधिकारी ने बताया कि एक मंजिला इमारत में लगी आग से बिजली के तार और अन्य उपकरण, लकड़ी का फर्नीचर, जूते-चप्पल, कपड़े तथा इत्र का स्टॉक प्रभावित हुआ। उन्होंने कहा कि सूचना मिलने के बाद दमकलकर्मियों को मौके पर भेजा गया.

'यह असली विष्णु का अवतार है'

कॉकरोच जनता पार्टी के समर्थकों को लेकर उद्धव ठाकरे का बड़ा बयान

मुंबई. महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में शिवसेना यूबीटी और मनसे प्रमुख के नेतृत्व में तिरंगा विजय रैली का आयोजन किया गया. छत्रपति शिवाजी महाराज पार्क में तिरंगा विजय रैली मनाने के लिए जेनरेशन जेड की भारी भीड़ उमड़ी, जो युवाओं की एकता को प्रदर्शित करती है. उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे एक मंच पर नजर आए. इस बीच उद्धव ठाकरे ने कॉकरोच जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं को लेकर बड़ा बयान दिया है. उद्धव ठाकरे ने कहा, 'एक कॉकरोच जिसने सरकार को सबक सिखाया यह असली विष्णु का अवतार है. यह अंधभक्कतों के खिलाफ देश भक्तों की जीत है. रक्षा

मंत्री राजनाथ सिंह के 'एनडीए में इस्तीफे नहीं होते हैं' वाले बयान पर तंज कसते हुए उद्धव ने कहा, रक्षा मंत्री ने क्या कहा है? धर्मेंद्र प्रधान की रक्षा तो कर ही नहीं पाए.'

इस बीच बड़ी संख्या में पुलिस बल और अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात है. कई रास्तों को ब्लॉक किया गया है. इस दौरान गाड़ियों की आवाजाही पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है. वहीं सिविल के भी पुलिस कर्मी तैनात है. पुलिस ने मोनिटरिंग वैन भी लगाई हैं. इस कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 10 बजे हुई. पहले यह तिरंगा रैली होने वाली थी, लेकिन बाद में इसे विजय सभा कर दिया गया.

सभा के दौरान क्या बोले राज ठाकरे?

इस रैली की सभा में राज ठाकरे ने कोई बड़ा भाषण नहीं दिया . उन्होंने मुम्बई पुलिस और दिल्ली पुलिस के काम में फर्क का जिक्र किया है . राज ठाकरे ने कोई राजनीतिक टिप्पणी नहीं की है, सिर्फ उद्धव ठाकरे ने सरकार और बीजेपी को घेरा है . बता दें कि बड़ी संख्या में लोगों के आने की आशंका के बीच शिवाजी पार्क को छावनी में तब्दील कर दिया गया है .

आषाढ़ी एकादशी पर गूंजे विट्ठल नाम के जयघोष

- वी.पी.एम्स में भक्ति, संस्कार और मातृभाषाओं का अद्भुत संगम

मुंबई. आषाढ़ी एकादशी के पावन पर्व पर वी.पी.एम्स बी.आर. टोल इंग्लिश हाई स्कूल, मुलुंड (पूर्व) में आयोजित धार्मिक, सांस्कृतिक एवं भारतीय भाषा उत्सव ने विद्यालय परिसर को भक्तिमय वातावरण में रंग दिया। विठ्ठल नाम के जयघोष, संतों के अभंग, पारंपरिक नृत्य और भारतीय संस्कृति से ओतप्रोत प्रस्तुतियों ने विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

विठ्ठल माऊली की पालकी से हुआ शुभारंभ

समारोह का शुभारंभ श्री विठ्ठल माऊली की भव्य पालकी के आगमन और विद्यालय की प्रधानाचार्या अजीता नायर द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। सामूहिक प्रार्थना के बाद विद्यार्थियों ने संत परंपरा पर आधारित मराठी अभंगों का सुमधुर गायन तथा मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर वारकरी परंपरा की जीवंत झलक प्रस्तुत की।

नाटिका, भारुड और पथनाट्य ने दिया संस्कारों का संदेश

कार्यक्रम के दौरान भक्त पुंडलिक एवं भगवान विठ्ठल के जीवन पर आधारित लघु नाटिका, भारुड, संत तुकाराम महाराज के संदेशों पर प्रेरक प्रस्तुति, पथनाट्य तथा भगवान विठ्ठल को समर्पित भावपूर्ण पत्र वाचन ने सभी को भावविभोर कर दिया। पथनाट्य के माध्यम से विद्यार्थियों ने पारिवारिक मूल्यों, पीढ़ियों के बीच संवाद, भारतीय संस्कृति के संरक्षण तथा मातृभाषाओं के महत्व का प्रभावशाली संदेश दिया।

अभंगों से भक्तिमय हुआ विद्यालय परिसर

वारकरी संप्रदाय के अभंगों और श्री विठ्ठल के जयघोष से पूरा विद्यालय परिसर भक्तिरस में सराबोर हो गया। रंग-बिरंगी पारंपरिक वेशभूषा में विद्यार्थियों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समारोह को जीवंत बना दिया। आकर्षक नृत्य प्रस्तुतियों के साथ कार्यक्रम का भव्य समापन हुआ।

इस अवसर पर प्रधानाचार्या अजीता नायर ने विद्यार्थियों को संतों की शिक्षाओं को जीवन में आत्मसात करने, भारतीय भाषाओं के संरक्षण, सांस्कृतिक विरासत के सम्मान तथा नैतिक मूल्यों को अपनाने का संदेश दिया।

भिवंडी क्राइम ब्रांच का बड़ा एक्शन

- दो चेन स्नैचर गिरोह गिरफ्तार
- 10 वारदातों का खुलासा

भिवंडी. भिवंडी क्राइम ब्रांच यूनिट-2 ने चेन स्नैचिंग और वाहन चोरी की घटनाओं पर बड़ी कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग गिरोहों के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से 148 ग्राम सोने के आभूषण और एक मोटरसाइकिल समेत करीब 11.12 लाख रुपये का माल बरामद किया है। कार्रवाई में चेन स्नैचिंग और वाहन चोरी के कुल 10 मामलों का खुलासा हुआ है।

पुलिस के अनुसार, ठाणे पुलिस आयुक्त आशुतोष डुंबरे के निर्देश पर तकनीकी विश्लेषण के आधार पर वारदात में इस्तेमाल मोटरसाइकिल का पता लगाया गया। जाल बिछाकर पुलिस ने आरोपी कासिम जाफर हुसैन (26), निवासी आंबिवली, कल्याण को गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने अपने साथियों के साथ सात चेन स्नैचिंग और एक मोटरसाइकिल चोरी की वारदात में शामिल होने की बात स्वीकार की।

इसी दौरान क्राइम ब्रांच ने दूसरे गिरोह का भी पर्दाफाश करते हुए गोविंद लड्डू काले और गोविंद बापुराव चव्हाण को जालना से गिरफ्तार किया। दोनों ने भिवंडी और बीड जिले में दो चेन स्नैचिंग की घटनाओं में शामिल होने की बात कबूल की।

यह कार्रवाई पुलिस सह आयुक्त (अपराध) पंजाबराव उगले, पुलिस उपायुक्त अमर सिंह जाधव तथा वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक शीतल राऊत के मार्गदर्शन में की गई। पुलिस अब आरोपियों के अन्य आपराधिक रिकॉर्ड और फरार साथियों की तलाश में जुटी है।

उल्हासनगर-1 झूलेलाल मंदिर में चालीहा साहिब की धूम

उल्हासनगर। हर वर्ष की तरह 16 जुलाई से शुरू हुए उल्हासनगर-1 स्थित भाऊ परसराम झूलेलाल मंदिर में चालीहा साहिब की धूम पिछले 10 दिनों से लाल साईं के भक्तों के लिए मची हुई है। रोजाना लाल साईं के गीतों से परिसर सरोबर है। कल गायिका प्रियंका केसवानी की मधुर आवाज में लाल साईं के गीतों पर भक्त झूमते हुए नजर आए। वहीं आज हरेश भाई साहब के भजनों का आज कार्यक्रम होगा।

मंदिर के संचालक भाऊ लीलाराम परिवार द्वारा भक्तों के लिए प्रसाद की व्यवस्था की है और मंदिर परिसर में साफ सफाई का भी ध्यान रखा जा रहा है। रोजाना संध्या में भजन कीर्तन के बाद पल्लव की रस्म होती है जहां पर शहर की उन्नति व सुरक्षा के लिए भाऊ लीलाराम आराधना करते हैं। चालीहा साहिब के आगामी एक माह में विभिन्न युवा व नए कलाकारों का जमकट यहां देखने मिलेगा। प्रतिदिन यहां झूलेलाल साईं के भक्तों का मेला देखने को मिलता है और व्रतधारी भक्त यहां आकर दर्शन का लाभ लेते हैं।

पडघा को अलग तालुका बनाया जाए

भिवंडी. ठाणे जिले के इकलौते बड़े तालुका के तौर पर जाने जाने वाले भिवंडी तालुका को बांटा जाना चाहिए और राज्य सरकार पडघा को अलग तालुका घोषित करे. पडघा और आस-पास के इलाकों की ग्राम पंचायतों का पूरा विकास करे और वहां तालुका रेवेन्यू हेडक्वार्टर बनाए, ऐसी मांग पडघा ग्राम पंचायत के पूर्व सदस्य डॉ. संजय पाटिल और स्थानीय गांव वालों की तरफ से की जा रही है।

उन्होंने मांग की है कि राज्य के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री, MLA और MP इस पर ध्यान दें। इसलिए, अब सबका ध्यान इस बात पर है कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भविष्य के नजरिए से क्या फैसले लेते हैं।

2026 के लेटर के मुताबिक, रेवेन्यू और फॉरेस्ट डिपार्टमेंट के जॉइंट सेक्रेटरी ने नए ऑफिस के हेडक्वार्टर और एक अपर तालुका बनाने के बारे में एक नोटिफिकेशन जारी किया है और इस पर लोगों से ऑब्जेक्शन मांगे गए हैं।

ठाणे ट्रैफिक पुलिस की बड़ी कामयाबी

- राजस्थान की कार से 35.70 लाख रुपये का ड्रग्स का स्टॉक ज़ब्त
- ड्राइवर गिरफ्तार, साथी भागा

ठाणे. शहर की ट्रैफिक पुलिस की सतर्कता ने ड्रग्स की तस्करी की एक बड़ी साज़िश को नाकाम कर दिया है। गोल्डन डाइस चेकपॉइंट पर दो ट्रांसपोर्ट कर्मचारियों ने पीछा करके राजस्थान पासिंग कार को पकड़ा, जिससे 35 लाख 70 हज़ार 720 रुपये की सूखी अफीम (पोस्ता दाना) का स्टॉक ज़ब्त किया गया है।

इस मामले में कपूरबावड़ी पुलिस स्टेशन में एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है और कार ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि उसका साथी भाग गया है। यह जानकारी कपूरबावड़ी ट्रैफिक सब-डिवीजन के पुलिस इंस्पेक्टर श्रीकांत सोंडे ने दी। 22 जुलाई को शाम करीब 4 बजे ट्रैफिक पुलिस कांस्टेबल सचिन खराडे और महिला पुलिस ऑफिसर मयूरी पवार कपूरबावड़ी जंक्शन, गोल्डन डाइस नाका पर ट्रैफिक कंट्रोल कर रहे थे। उस समय उन्होंने देखा कि नासिक-मुंबई मार्ग से गुजर रही एक काले रंग की राजस्थान पासिंग कार में संदिग्ध बैग ले जाए जा रहे हैं। जब उन्होंने कार को रोकने का इशारा किया, तो चालक वाहन को रोके बिना भाग गया। सतर्क होकर, खराडे और पवार ने पीछा किया

और कार को रोक लिया। कार में दो लोग थे। उनमें से, चालक के बगल में बैठा व्यक्ति मौका पाकर भागने लगा, जबकि चालक भी भागने की कोशिश कर रहा था। हालांकि, दोनों को यातायात पुलिस ने पकड़ लिया और कपूरबावड़ी यातायात उप-विभाग कार्यालय ले आई। कार की जांच करते समय, सीट पर और डिक्की में रखे बैगों में सूखे अफीम के दानों (पोस्त के बीज) का संदिग्ध भंडार पाया गया। वरिष्ठों को इस बारे में सूचित किया गया और फिर तुरंत एंटी-नारकोटिक्स स्क्वाड को सूचित किया गया।

तदनुसार, एंटी-नारकोटिक्स स्क्वाड के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सचिन गायकवाड़ के मार्गदर्शन में सहायक पुलिस निरीक्षक सोमनाथ कर्णवार-पाटिल, पुलिस उप-निरीक्षक दुम्मलवाड़ और उनकी टीम ने घटनास्थल पर पंचनामा के सामने कार का निरीक्षण किया। गिरफ्तार ड्राइवर ने अपना नाम सीताराम रामनिवास प्रजापति बताया। पंचनामा के बाद, कार के साथ करीब 150 kg और करीब 35 लाख 70 हजार 720 रुपये कीमत का संदिग्ध नशीले पदार्थों का जखीरा जब्त किया गया।

इस मामले में कपूरबावड़ी पुलिस स्टेशन में एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है और फरार आरोपियों की तलाश जारी है। इस बीच, ट्रैफिक पुलिस उपायुक्त पंकज शिरसाट ने पुलिस कांस्टेबल सचिन खराडे और महिला पुलिस ऑफिसर मयूरी पवार के बहादुरी और अलर्ट काम की तारीफ की। साथ ही, पुलिस आयुक्त आशुतोष डुंबरे और अतिरिक्त पुलिस आयुक्त डॉ. ज्ञानेश्वर चव्हाण ने कहा कि दोनों कर्मचारियों को सम्मानित किया जाएगा।

धमणकर नाका मित्र मंडल सार्वजनिक गणेशोत्सव का भूमिपूजन, पादुका व ध्वजपूजन संपन्न

वाराणसी के सर्वेद महामंदिर धाम की एक शानदार इको-फ्रेंडली रेप्लिका बनाई जाएगी

भिवंडी. भिवंडी के राजा के रूप में सम्मानित और पिछले दो सालों में राज्य सरकार के सर्वश्रेष्ठ गणेशोत्सव प्रतियोगिता में पूरे ठाणे जिले में पहला पुरस्कार जीतने वाले धमणकर नाका मित्र मंडल के 38वें गणेशोत्सव का उद्घाटन संस्थापक अध्यक्ष संतोष शेट्टी के शुभ हाथों से बड़े उत्साह के साथ सुसज्जित मंदिर के पाद्यपूजन और शिलान्यास के साथ किया गया।

इस अवसर पर धमणकर नाका मित्र मंडल और स्वाभिमान सेवा संस्था के मुख्य पदाधिकारी दिलीप पोद्दार, हसमुख पटेल, संजय शाह, राजेश शेट्टी, तारुभाई जाधव, संतोष जम्पल, राजेश पुजारी, राकेश पटवारी, ईश्वर पामू, संजय भोईर समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

फाउंडर संतोष शेट्टी ने बताया है कि इस साल धामनकर नाका मित्र मंडल की तरफ से वाराणसी के सर्वेद महामंदिर धाम की एक शानदार इको-फ्रेंडली रेप्लिका बनाई जाएगी, जो 110 फीट ऊंची होगी।

संतोष शेट्टी ने बताया कि हर साल शानदार और दिव्य डिस्प्ले बनाने की परंपरा जारी है। उन्होंने साफ किया कि मंडल के जरिए भिवंडी शहर में सभी धर्मों के बीच राष्ट्रीय एकता और सद्भाव बढ़ाने का काम किया जा रहा है। इस मौके पर भगवान गणेश के चांदी के पादुकाओं की पैर पूजा की गई। डिस्प्ले को सजाने का काम नारियल फोड़कर शुरू किया गया। सजाए जाने वाले सर्वेद महामंदिर धाम के बैनर का अनावरण इस्कॉन मंदिर के श्री सुदाम प्रभु के शुभ हाथों से किया गया।

रणबीर कपूर ने रामायण के लिए दो साल तक की तैयारी

- बोले- राम की शिक्षाओं को समझना जरूरी

नितेश तिवारी की रामायण में रणबीर कपूर राम के रोल के लिए बिल्कुल तैयार हैं। आज यानी गुरुवार को सैन डिएगो कॉमिक कॉन में रामायण का ट्रेलर रिलीज किया गया। इस मौके पर रणबीर कपूर भी मौजूद रहे। उन्होंने बताया कि राम के रोल के लिए उन्होंने खुद को कैसे तैयार किया। रणबीर कपूर ने कहा कि उन्होंने दो साल तक मैडिटेशन (ध्यान लगाना) किया।

राम की तैयारी के लिए रणबीर के एक गुरु थे

रणबीर ने बताया, 'मैं बहुत पढ़ा, बहुत सारे विद्वानों से मिला। मैंने दो साल तक योगा किया। मेरे एक गुरु थे जिनका नाम है सुवीर जो मेरे साथ घंटों बैठकर ध्यान लगाते थे, मुझे राम की शिक्षाओं के बारे में बताते थे।'

भगवान राम के रोल के लिए रणबीर ने क्या-क्या की तैयारी?

सैन डिएगो इवेंट में बोलते हुए रणबीर कपूर ने बताया कि उन्होंने इस रोल के लिए कैसे तैयारी की। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि बॉडी बनाना और डांस या एक्शन करने के लिए खुद को तैयार करना थोड़ा आसान है क्योंकि वो थोड़ा सतही होता है। लेकिन जिंदगी के इस पड़ाव पर भगवान राम की फिलॉसफी को समझना उनके किरदार के लिए काफी जरूरी था।'

कांग्रेस का 'विजय मार्च'; स्टूडेंट्स के संघर्ष को सलाम

ठाणे. नीट और सीबीएसई एग्जाम में कथित गड़बड़ियों से लाखों स्टूडेंट्स के भविष्य पर सवाल उठने के बाद, कांग्रेस पार्टी स्टूडेंट्स के सही हक के लिए देश भर में सड़कों पर उतरी।

ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी की अगुवाई में देशव्यापी आंदोलन के बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद, ठाणे शहर जिला कांग्रेस कमेटी ने को 'विद्यार्थी विजय मार्च' निकाला। ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के प्रेसिडेंट मल्लिकार्जुन खड़गे के निर्देश और महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस प्रेसिडेंट हर्षवर्धन सपकाल के आदेश पर आयोजित इस मार्च का नेतृत्व ठाणे शहर जिला कांग्रेस कमेटी के प्रेसिडेंट राहुल पिंगले ने किया। ठाणे शहर सेंट्रल कांग्रेस ऑफिस से शुरू हुआ यह मार्च स्टेशन रोड, अशोक टॉकीज, एसटी स्थानक, ठाणे रेलवे स्टेशन और डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की मूर्ति के पास खत्म हुआ। इस समय, पेपर लीक मामले के कारण तनाव में मरने वाले छात्र डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की मूर्ति के पास इकट्ठा हुए और उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस समय, कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार छात्रों का भविष्य खतरे में होने पर जिम्मेदारी लेने के बजाय चुप रही।

उसने लाखों छात्रों और अभिभावकों के सवालों को नजरअंदाज कर दिया। हालांकि, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पूरे देश में छात्रों की आवाज उठाई और जिले से लेकर दिल्ली तक विरोध प्रदर्शनों का सिलसिला शुरू किया। जनता के आक्रोश और विपक्षी दलों के दबाव के कारण, केंद्र सरकार को आखिरकार पीछे हटना पड़ा और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा। मार्च में शामिल कार्यकर्ताओं ने भावना व्यक्त की कि यह किसी राजनीतिक दल की जीत नहीं है, बल्कि देश के लाखों छात्रों के संघर्ष की जीत है। एम.खा. समेत बड़ी संख्या में छात्र और महिलाएं शामिल थे।

जाहीर नोटीस

सर्व लोकांना या जाहीर नोटीसीद्वारे कळविण्यात येते की, खालील परिशिष्टात वर्णन केलेली मिळकती ही आमचे अशिल श्री. विनोद ताराचंद कुकरेजा, राहणार - बाबा केवलसिंग अपार्टमेंट, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२, मिलन पॅलेस समोर, उल्हासनगर - ४२१००२, यांनी जमिन मालक श्री. अर्जुन के. नायर व सौ. मनिषा अर्जुन नायर यांच्या कब्जेवहिवाटीची जमिन मिळकत विकत घेण्याचे ठरवलेले आहे.

तरी या नोटीसीने कळविण्यात येते की, खालील वर्णन केलेल्या जमिन मिळकतीत कोणाचा कोणत्याही प्रकारचा बोजा, कर्ज, लेखी करार, लीज, वारसा, भाडेपट्टा तारण, जमिन, ताबा, विक्री, भेट, लीन, आकार, विश्वस्त, गहाण, देखभाल, इजमेंट, हस्तांतर, कोणत्याही विषयाबाबत परवाना, कोणताही दावा किंवा हक्क, हितसंबंध असल्यास खालील पत्त्यावर ७दिवसांच्या आत लेखी खुलासा करावा. वरील मुदतीत लेखी हरकत न आल्यास सदर मिळकतीत कोणाचाही कसलाही कायदेशीर हक्क, हितसंबंध व बोजा वगैरे नाही किंवा तसा असल्यास तो सोडून दिला आहे, असे समजून पुढील खरेदी-विक्रीचा व्यवहार पूर्ण करण्यात येईल.

|| मिळकतीचे परिशिष्ट ||

मौजे	सर्व्हे क्र.	हिस्सा क्र.	एकूण क्षेत्र (हे-आर-प्र)	एकुण क्षेत्रा पैकी विक्री क्षेत्र (हे-आर-प्र)	आकार (रु.पै.)
आपटी तर्फे	17	15/अ	1-48-00	0-23-00	3.19

सही/-
(एड. अश्विनी भगवान मोरे)
पत्ता - 702/सी-विंग, सिद्धीविनायक मेफेयर विश्वराजा, गणपतीमंदिर रोड, टिटवाळा (पूर्व), ता. कल्याण, जि. ठाणे, मो. नं. 8898193586

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099